हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 315 देहरादून, शनिवार, 10 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

fdsgfdgfg

जनपदों में नियमित बहुद्देशीय शिविर लगायें जाए : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जून , आमजन को केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले इसके लिए सभी जनपदों में नियमित बहुद्देशीय शिविर लगायें जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि अधिकांश जन समस्याओं का निस्तारण मौके पर ही हो। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए टोल फ्री नम्बर 1064 का बोर्ड सभी कार्यालयों में लगे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। भ्रष्टाचार से संबंधित विजिलेंस को जितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उन पर की गई कार्यवाही की विजिलेंस से नियमित रिपोर्ट ली जाए। मुख्यमंत्री ने सभी एस.एस.पी को निर्देश दिये कि जनपद स्तर पर विवेचना से संबंधित जो मामले एक साल से अधिक समय से लम्बित हैं, अभियान चलाकर तीन माह के अन्दर उनकों निस्तारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विवेचना सबंधित मामलों के त्वरित निस्तारण हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग की पहली समीक्षा बैठक के दौरान ये निर्देश वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारियों एवं एस.एस.पी को दिये।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बैठक में निर्देश दिये कि ग्राम सभाओं की चौपालों में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा माह में कितनी बार भ्रमण किया जा रहा है। इसका भी कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग पूरा अपडेट रखे। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि जिलाधिकारी नियमित ग्रामसभा चौपालों में जाएं और अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों को भी भेंजे। ग्राम भ्रमणों की मासिक रिपोर्ट, बीडीसी एवं तहसील दिवस की मासिक रिपोर्ट एवं उनमें प्राप्त शिकायतें और उनके निस्तारण के लिए की गई कार्यवाही की नियमित रिपोर्ट कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग को भेजें। मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिये कि जन समस्याओं के निस्तारण के लिए जन प्रतिनिधियों एवं आम जन के फोन रिसीव न करने वाले अधिकारियों पर भी कारवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश अधिकारी फोन रिसीव न कर पा रहे हैं, तो बाद में अवश्य कॉल बैक करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़वाल एवं कुमांऊ कमिश्नर अपने मण्डलों में जन समस्याओं के त्वरित निदान एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए नियमित समीक्षा करें।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि बरसात का समय शुरू होने वाला है। सभी जिलाधिकारी जिन क्षेत्रों में जल भराव होता है, मलवा आने की संभावनाएं होती हैं, इनके समाधान के लिए अभी से पूरी कार्ययोजना बना लें। वर्षाकाल के दृष्टिगत सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखें। जिला अधिकारी जनपदों में प्रतिमाह आय-व्ययक की भी समीक्षा बैठक करें। मुख्यमंत्री घोषणाओं पर जनपदों में प्रगति की नियमित समीक्षा कर रिपोर्ट भेजी जाए। जनपदों में जिन दीर्घकालिक योजनाओं पर कार्य किये जा रहे हैं, उनमें तेजी लाई जाए। तात्कालिक रूप वाले कार्यों को समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए।

सड़कों की स्थित हर जगह सही हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जनपदों में जिन महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, यदि उनमें किसी स्तर पर विलंब हो रहा है, तो जिलाधिकारी इसकी सूचना शीघ्र शासन को दें। सभी जनपदों में जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि डेंगू एवं मलेरिया जैसी बीमारियों से बचने के लिए अभी से पूरी तैयारियां की जाएं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि बरसात का समय शुरू होने वाला है। सभी जिलाधिकारी जिन क्षेत्रों में जल भराव होता है, मलवा आने की संभावनाएं होती हैं, इनके समाधान के लिए अभी से पूरी कार्ययोजना बना लें। वर्षाकाल के दृष्टिगत सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखें। जिला अधिकारी जनपदों में प्रतिमाह आय-व्ययक की भी समीक्षा बैठक करें। मुख्यमंत्री घोषणाओं पर जनपदों में प्रगति की नियमित समीक्षा कर रिपोर्ट भेजी जाए। जनपदों में जिन दीर्घकालिक योजनाओं पर कार्य किये जा रहे हैं, उनमें तेजी लाई जाए। तात्कालिक रूप वाले कार्यों को समयबद्धता के साथ पूरा किया जाए। सड़कों की स्थित हर जगह सही हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जनपदों में जिन महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, यदि उनमें किसी स्तर पर विलंब हो रहा है, तो जिलाधिकारी इसकी सूचना शीघ्र शासन को दें। सभी जनपदों में जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि डेंगू एवं मलेरिया जैसी बीमारियों से बचने के लिए अभी से पूरी तैयारियां की जाएं।

डीएम सोनिका की सख्ती से चकराता रोड पर हटाया गया अतिक्रमण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जून , जनपद में अतिक्रमण से बाधित सड़कों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाए जाने हेतु जिलाधिकारी सोनिका के निर्देशन पर संयुक्त टीम द्वारा आईएमए बल्ड बैंक के समीप चकराता रोड के फुटपाथ पर कब्जा बनाए बैठे अवैध अतिक्रमण को दिया गया हैं। जिसमें करीब 20 परिवारों के द्वारा फुटपाथ पर अवैध अतिक्रमण किया गया था। जिससे शहर के आवगमन के सुविधा को बाधा उत्पन्न होने के साथ ही एक्सीडेंट इत्यादि हो रहे थे। जिलाधिकारी ने अवैध अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए, अवैध अतिक्रमण को हटाने हेतु जिला प्रशासन, नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर उक्त स्थल पर अवैध अतिक्रमण हटाने के दिशा निर्देश दिए। निर्देश के अनुपालन में संयुक्त टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते

हुए उक्त स्थल से जेसीबी लगाकर सभी अवैध अतिक्रमण हटा दिए गये हैं। साथ ही टीम द्वारा शहर के अवैध अतिक्रमण पर चेतावनी दी गई है कि अपना अतिक्रमण स्वयं हटा लिया जाए अन्यथा भारी अर्थदण्ड की कार्यवाही के साथ ही सामग्री जब्त कर ली जाएगी।

आईएमए पासिंग आउट परेड की पुख्ता सिक्योरिटी के लिए दून पुलिस मुस्तैद

देहरादून , 10 जून , पुलिस उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिलीप सिंह कुंवर ने आयोजित हो रही पासिंग ऑउट परेड़ को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु किये जा रहे सुरक्षा इंतज़ामों एवं यातायात व्यवस्था का स्वयं निरीक्षण किया गया।

इस दौरान उन्होंने IMA के सम्बंधित अधिकारीगणों के साथ विस्तृत चर्चा की इसके बाद संबंधित अधिनस्थों को व्यापक रूप से चेकिंग व सत्यापन अभियान चलाए जाने हेतु निर्देश दिए गए। इसके पश्चात डीआईजी द्वारा सभी संबंधित चेकिंग पाइंटों पर स्वयं जाकर चलाये जा रहे अभियान का भी निरीक्षण किया गया। डीआईजी / एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिये गए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही बख़्शी नहीं जाएगी साथ ही इस बात का भी पूरी तरह खयाल रखा जाए कि आम जनमानस को भी किसी प्रकार की कठिनाइयों का सामना ना

करना पड़े। इस दौरान CO CITY, CO DALANWALA , SHO प्रेमनगर व SHO कैंट तथा अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

गहराई से सोचो आपकी ज़िंदगी का कोच कौन है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जून : अमेरिका की एक पेशेवर तैराक हैं जो वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान परफॉर्म करने के लिए स्विमिंग पूल में जैसे ही छलांग लगाई , वो छलांग लगाते ही पानी के अंदर बेहोश हो गई , जहाँ पूरी भीड़ सिर्फ़ जीत और हार के बारे में सोच रही थी वहीं उसकी कोच एंड्रिया ने जब देखा कि अनीता एक नियत समय से ज़्यादा देर तक पानी के अंदर है , एंड्रिया पल भर के लिए सब कुछ भूल गई कि वर्ल्ड चैंपियनशिप प्रतियोगिता चल रही है , एक पल भी व्यर्थ ना करते हुए एंड्रिया चलती प्रतियोगिता के बीच में ही स्विमिंग पूल में छलांग लगा दी , वहाँ मौजूद हज़ारों लोग कुछ समझ पाते तब तक एंड्रिया पानी के अंदर अनीता के पास थी , एंड्रिया ने देखा कि अनीता स्विमिंग पूल में पानी के अंदर बेहोश पड़ी है , ऐसी हालत में ना हाथ पैर चला सकती न मदद मांग सकती , एंड्रिया ने अनीता को जैसे बाहर निकाला मौजूद हज़ारों लोग सन्न रह गए , एंड्रिया ने अनीता को तो बचा लिया , लेकिन हम सबकी ज़िंदगी में बहुत बड़ा सवाल छोड़ गई !

इस दुनियाँ में ना जाने कितने लोग हम सबकी ज़िंदगी से जुड़े हैं कितनों से रोज़ मिलते भी होंगे , जो इंसान हर किसी से अपने मन की बात नहीं कह पाता कि असल ज़िंदगी में वह भी कहीं डूब रहा है , वह भी किसी तकलीफ़ से गुज़र रहा है , वह भी किसी बात को लेक़र ज़िंदगी से परेशान हो रहा है , लेकिन बता नहीं पा रहा हैजब इंसान किसी को अपने मन की व्यथा , अपनी परेशानी नहीं बता पाता तो मानसिक तनाव इतना बढ़ जाता है कि वह ख़ुद को पूरी दुनियाँ से अलग़ कर लेता है , सबकी नज़रों से दूर एकांत में ख़ुद को चारदीवारी में क़ैद कर लेता है , ये वक्त ऐसा होता है कि तब इंसान डूब रहा होता है , उसका मोह ख़त्म हो चुका होता है , ना किसी से बात चीत ना किसी से मिलना जुलना , ये स्थिति इंसान के लिए सबसे ख़तरनाक होती है , जब इंसान अपने डूबने के दौर से गुज़र रहा होता है , तब बाक़ी सब दर्शकों की भाँति अपनी ज़िंदगी में व्यस्त होते हैं किसी को ख़्याल ना होता कि एक इंसान किसी बड़ी परेशानी में है , अगर इंसान कुछ दिन के लिए ग़ायब हो जाए तो पहले तो लोगों को ख़्याल नहीं आएगा , अगर कुछ को आ भी जाए तो लोग यही सोचेंगे , पहले कितनी बात होती थी अब वो बदल गया है या फिर उसे घमंड हो गया है या अब तो बड़ा आदमी बन गया है इसलिए बात नहीं करता , जब वो बात नहीं करता तो हम क्या करें ! या फिर ये सोच लेते हैं कि अब दिखाई ना देता तो वो अपनी ज़िंदगी में मस्त है इसलिए नहीं दिखाई देता , अनीता पेशेवर तैराक होते हुए डूब सकती है तो कोई भी अपनी ज़िंदगी में बुरे दौर से गुज़र सकता है , ये समझना ज़रूरी है लेकिन उन लोगों से हट कर कोई एक इंसान ऐसा भी होगा जो आपकी मनोस्थिति तुरंत भाँप लेगा , उसे बिना कुछ बताये सब पता चल जाएगा , आपकी ज़िंदगी के हर पहलू पर हमेशा नज़र रखेगा , थोड़ा सा भी परेशान हुए वो आपकी परेशानी आकर पूछने लगेगा , आपके बिहेवियर को पहचान लेगा , आपको हौसला देगा आपको सकारात्मक बनायेगा और एंड्रिया की तरह कोच बन कर आपकी ज़िंदगी को बचा लेगा , हम सबको ऐसे कोच की ज़रूरत पड़ती है...ऐसा कोच कोई भी हो सकता है , आपका भाई , बहन , माँ , पापा ,आपका कोई दोस्त , आपका कोई हितैषी , आपका कोई रिश्तेदार , कोई भी , जो बिना बताये आपके भावों को पढ़ ले और तुरंत एक्शन ले ।गहराई से सोचो आपकी ज़िंदगी का कोच कौन है ?

भारत में 35.5% लोग हैं Hypertension शिकार, क्या आप है सावधान ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जून , Hypertension हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या के पीछे लाइफस्टाइल से जुड़ी आदते होती हैं। हाई ब्लड प्रेशर दूसरी गंभीर बीमारियों को भी जन्म देता है जिसमें डायबिटीज और दिल की बीमारी शामिल है। आइए जानें हाई ब्लड प्रेशर के बारे में नई स्टडी क्या कहती है? लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक सर्वे से पता चला कि भारत की आबादी में 11.4 प्रतिशत लोग डायबिटीज के शिकार हैं, जबकि 35.5 फीसदी लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं।31 राज्यों के एक लाख से ज्यादा लोगों पर अध्ययन किया गया, जिनमें से 33,537 शहरी और 79,506 ग्रामीण निवासी थे। यह सर्वे 2008 से 2020 के बीच किया गया था। इस सर्वे में यह भी देखा गया कि 35.5 प्रतिशत भारतीय हाइपरटेंशन से जूझते हैं। इसके अलावा 15.3% प्री-डायबिटीज और 81.2 प्रतिशत लोग डिसलिपिडेमिया के शिकार होते हैं। जब कोलेस्ट्रॉल, लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल, बैड कोलेस्ट्रॉल और गुड कोलेस्ट्रॉल का संतुलन बिगड़ जाता है, तो इस स्थिति को डिसलिपिडेमिया कहते हैं।

शहरों में महामारी का रूप ले रही है डायबिटीज

प्री-डायबिटीज को छोड़ दिया जाए, तो डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर आदि जैसे मेटाबॉलिक NCDs के मामले ग्रामीण इलाकों की तुलना शहरों में ज्यादा तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत में डायबिटीज और दूसरी मेटाबॉलिक एनसीडी का प्रसार पहले के अनुमान के मुकाबले काफी अधिक पाया गया। देश के बड़े शहरों में डायबिटीज एक महामारी का रूप ले रही है, वहीं दूसरे राज्य के आंकड़े भी बहुत पीछे नहीं हैं ऐसे में लोगों को इन गंभीर बीमारियों से बचाने और इन महामारी को रोकने के लिए जल्द से जल्द नीतियों और हस्तक्षेपों की आवश्यकता है।

हाई ब्लड प्रेशर से कैसे बचा जाए ?

अमेरिका के सीडीसी के अनुसार अगर हम लाइफस्टाइल में नीचे दिए गए बदलाव लाते हैं, तो हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर से बचा जा सकता है।

हेल्दी वजन बनाए रखें

शरीर का वजन लंबाई की तुलना ज्यादा होना या मोटापे का शिकार आपको हाई ब्लड प्रेशर का मरीज भी बना देता है। इसलिए हाइट के अनुसार, अपना वजन सही बनाए रखना बेहद जरूरी है। जिसके लिए जंक फूड से दूरी बनाए और मौसमी फलों व सब्जियों पर फोकस रखें। इसके अलावा कोशिश करें कि सभी तरह के पोषक तत्व आपकी डाइट के जरिए शरीर में जा रहे हैं।

फिजिकल एक्टिविटी है जरूरी

अपने शरीर को दिन पर काम पर लगाना जरूरी होता है। इससे आपका वजन नहीं बढ़ता और बीमारियां भी दूर रहती हैं। रोज कम से कम एक से दो घंटा वर्कआउट जरूर करें, जिसमें वॉकिंग, साइकिलिंग आदि शामिल हैं।

नैनीताल को धामी सरकार देगी शानदार उड़ान, ये है प्रोजेक्ट रोपवे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जून , अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो सीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट नैनीताल को ट्रेफिक फ्री बना देगा। यही नहीं साधन और किराया भी सुलभ और सस्ता होगा। पर्यटक बगैर किसी जाम के रानीबाग से नैनीताल का सफर 60 मिनट में पूरा कर लेंगे।

अभी तक इस सफर को पूरा करने के डेढ़ घंटा लगता है। जाम की समस्या हो तो यह सफर दो से तीन घंटे हो जाता था। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से अक्टूबर 2018 में रानीबाग से नैनीताल तक के रोपवे प्रोजेक्ट का डिजाइन तैयार किया गया था।

मल्टी लेवल कार पार्किंग भी शामिल

इस प्रोजेक्ट में मल्टी लेवल कार पार्किंग भी शामिल है। करीब 11-12 किमी लंबाई के रोपवे प्रोजेक्ट रानीबाग एचएमटी फैक्ट्री से साढ़े तीन किमी में डोलमार, वहां से 4.7 किमी में ज्योलीकोट और फिर तीन किमी हनुमा-नगढ़ी नैनीताल है। रानीबाग से मात्र पांच से दस मिनट में काठगोदाम रेलवे स्टेशन पहुंचा जा सकता है। दरअसल, नैनीताल पर्यटकों का पसंदीदा स्थान है। ग्रीष्मकालीन छुट्टियां बिताने के लिए हर कोई नैनीताल की खूबसूरत वादियों में आने की चाह रखता है।

पर्यटकों से गुलज़ार नैनीताल में जुटती है देश भर की भीड़

मई व जून में नैनीताल में ज्यादातर पर्यटकों और वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। पर्यटक जाम में फंसकर अपने टूर का मज़ा खराब महसूस करने लगते हैं। लेकिन रोपवे बनने से पर्यटक बगैर किसी जाम के सुगम यात्रा करेंगे। क्योंकि भारी ट्रैफिक के कारण ज्यादातर सड़कों में जाम रहता है। रोपवे के जरिये पर्यटक सफर का रोमांच भी ले सकेंगे। यही नहीं लोगों को रोजगार और आय मिलने से राहत भी मिलेगी। आपको बता दें कि तीन साल पहले ये घोषणा की गयी थी। तीन साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस प्रोजेक्ट की नैनीताल में घोषणा की थी। जिसके बाद उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने डिजाइन तैयार किया। तब प्रोजेक्ट की लागत करीब पांच सौ से साढ़े पांच सौ करोड़ आंकी गई थी।

यह है महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की विशेषता

प्रोजेक्ट के अनुसार लोअर टर्मिनल प्वांइट एचएमटी रानीबाग, टर्न स्टेशन डोलमार, मिड टर्मिनल स्टेशन ज्योलीकोट तथा अपर टर्मिनल स्टेशन हनुमानगढ़ी नैनीताल प्रस्तावित है। हनुमानगढ़ी में रिटेल शाप, फूड एंड बेवरेज आउटलेट्स, पब्लिक कन्वीनियंस, ज्योलीकोट में ईको टूरिज्म रिजार्ट, रिटेल शाप, फूड एंड बेवरेज आउटलेट्स, एचएमटी, रानीबाग में श्री स्टार होटल, मल्टी लेवल कार पार्किंग, रिटेल शाप, फूड एंड बेवरेज आउटलेट्स, मल्टी काशन रेस्टोरेंट, फास्ट फूड रेस्टोरेंट आदि बनेगा।

NHM के हर कर्मचारी का हित है सर्वोपरि : डॉ आर राजेश कुमार, स्वास्थ्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 जून , राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जुडे हर कर्मचारी का हित है सर्वोपरि यह बात डॉ आर राजेश कुमार स्वास्थ्य सचिव एवं एन.एच.एम. मिशन निदेशक ने शुक्रवार को सचिवालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संगठन उत्तराखंड के पदाधिकारियों की विभिन्न मांगो के संबंध में हुई वार्ता के दौरान कही।स्वास्थ्य सचिव द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में आमजन को चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्रदान कर रहा है। उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति के कारण स्वास्थ्य कर्मचारियों के सामने कई प्रकार की चुनौतियां हैं, इसके बावजूद भी एनएचएम उत्तराखंड अच्छा कार्य कर रहा है।डॉ आर राजेश कुमार ने कर्मचारी संगठन के विभिन्न मांगों के संबंध में अधिकारियों को तुरंत निस्तारण का निर्देश दिया। जिसमें मुख्यत एनएचएम में कार्यरत कर्मचारियों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष, कार्यक्रम की निरंतरता या परफॉर्मेंस अप्रेज़ल के आधार पर किए जाने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त किसी भी दुर्घटना की स्थिति में कर्मचारियों की सुरक्षा के मद्देनजर सामूहिक बीमा की सुविधा प्रदान की जाएगी।

सचिव द्वारा कर्मचारी संगठन को आश्वासन दिया गया कि सभी कर्मचारियों के मासिक वेतन को ससमय दिया जाएगा साथ ही बोनस एवं अन्य लाभों को समयान्तर्गत दिए जाने हेतु तथा संगठन द्वारा अन्य मागों के शीघ्र निस्तारण करने का अधिकारियों को निर्देश दिए।बैठक में डॉ सरोज नैथानी निदेशक एन.एच.एम., दीपाली भरणे वित अधिकारी स्वास्थ्य निदेशालय, डॉ अजय कुमार नगरकर प्रभारी अधिकारी मानव संसाधन, कविता कौशल सलाहकार मानव संसाधन तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष सुनील भंडारी, उपाध्यक्ष रमिंदर कालरा, जिला अध्यक्ष अनूप चौहान, सदस्य विनोद पैन्यूली व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

धर्मशालाओं को खुर्द-बुर्द करने वालों की जांच करे सरकार

ऋषिकेश। ऋषिकेश नगर में अधिकांश धर्मशालाएं खुर्द बुर्द हो चुकी हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा ने इस मामले को लेकर आवाज उठाई है। उन्होंने सीएम धामी से इस मामले में जांच कराकर खरीब-बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की है। शुक्रवार को भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा ने देहरादून में सीएम पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि धर्मनगरी में श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए कई समाजसेवियों ने धर्मशालाएं बनवाई थी। इनमें से अधिकांश धर्मशालाओं को खुर्द बुर्द किया जा चुका है। बची हुई धर्मशालाएं भी खुर्द बुर्द हो रही है। इस मामले में पहले भी ज्ञापन दिया गया, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जबकि धर्मशालाओं के खुर्द बूर्द करने का कार्य जारी है। वर्तमान में अखंड आश्रम कोयल घाटी में 900 फ्लेटों का निर्माण किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा स्थानीय सिंडिकेट के सहयोग से जारी है। एकांत कुटी आश्रम पर बाहरी व्यक्ति द्वारा पैसा लगाकर खुर्द बुर्द किया जा रहा है। ऐसे अनके आश्रम है, जिन्हें खुर्द बुर्द किया जा रहा है। लेकिन स्थानीय प्राशसन और नगर निगम प्रशासन सब कुछ जानकर भी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इसके फलस्वरूप बाहर से आने वाले हजारों गरीब यात्री बस अड्डे पर खुले आसमान के नीचे सोने को मजबूर हैं। उन्होंने सीएम से मामले में जांच करवाकर कार्रवाई करने की मांग की है।

पूर्व सीएम कोश्यारी ने की श्री शिलगुर बिजट महाराज के मंदिर में पूजा-अर्चना

विकासनगर। जौनसार बावर भ्रमण पर आए पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने शुक्रवार को सिमोग स्थित श्री शिलगुर बिजट महाराज के मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही गांव के धार्मिक अनुष्ठान में भी प्रतिभाग किया। पूर्व सीएम ने ग्रामीणों को बताया कि उत्तराखंड स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के साथ धीरे-धीरे खड़ा हो, इसी उद्देश्य से स्थानीय लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए वो प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि उत्तराखंड प्रदेश की अवधारणा तब पूरी होगी, जब पहाड़ के गांवों में स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे और लोग आत्मनिर्भरता के साथ स्थानीय स्तर पर सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि जौनपुर, रवाईं, जौनसार बावर के विभिन्न स्थानों पर अनेक लोगों द्वारा बागवानी, होमस्टे, मत्स्य पालन, कृषि एवं विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफल प्रयोग किए जा रहे हैं। उन तमाम कर्मशील भूमि पुत्रों के कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए जगह-जगह जाकर प्रवास कर रहा हूं। पूर्व सीएम ने सिमोग स्थित स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता श्रीचंद शर्मा के निवास पर हुए धार्मिक अनुष्ठान में भी प्रतिभाग किया।

पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत के गोडसे को देशभक्त कहने पर भडक़े कांग्रेसी

विकासनगर। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा नाथूराम गोडसे को देश भक्त बताने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उबाल है। शुक्रवार को शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने पहाड़ी गली चौक पर प्रदर्शन कर पूर्व सीएम को पार्टी से निष्कासित करने की मांग भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से की। कांग्रेस शहर अध्यक्ष कितेश जायसवाल ने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन के नायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे को देशभक्त कहना शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है। इससे भाजपा की देशभक्ति की पोल भी खुलती है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा से ही देश विरोधियों और असामाजिक तत्वों को देशभक्त मानती है। ब्लॉक अध्यक्ष अभिनव ठाकुर ने कहा कि महात्मा गांधी सिर्फ भारत के राष्ट्रपिता ही नहीं हैं, बल्कि पूरे विश्व में शांति के मसीहा के तौर पर उनका सम्मान किया जाता है। पूरा विश्व आज भी गांधी दर्शन का अनुसरण करता है। कहा कि सिर्फ राष्ट्रपिता के चश्मे को स्वच्छ भारत अभियान के पोस्टर में लगाने से उन्हें सम्मान नहीं दिया जा सकता है.

उत्तराखंड : सरकारी जमीनों के कब्जे अब सेटेलाइट से पकड़े जाएंगे, तैयार किया जा रहा विशेष पोर्टल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जून : सरकारी जमीनों पर धीरे-धीरे होने वाले अवैध कब्जे और अवैध निर्माण अब सेटेलाइट से पकड़े जाएंगे। सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश के बाद आईटीडीए व यूसैक ने इस पर काम शुरू कर दिया है। सभी विभाग अपनी जमीनों के रजिस्टर और डिजिटल इन्वेंटरी तैयार कर रहे हैं। खास बात ये है कि अब 25 सेंटीमीटर ऊंचाई तक के अवैध कब्जों की तस्वीर साफ हो सकेगी। पिछले दिनों सीएम ने सभी विभागों की जमीनों से अवैध कब्जे हटाने के लिए विशेष प्रयास करने, सेटेलाइट का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए थे। बड़े पैमाने पर सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से बचाने के लिए शासन ने एक आदेश जारी किया था , इसके तहत राजस्व परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय और सभी जिलों के डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। इसी आदेश के तहत उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (यूसेक) और सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आईटीडीए) ने काम शुरू कर दिया है।

एक ऐसा पोर्टल तैयार किया जा रहा, जो हर तिमाही प्रदेश की सभी सरकारी जमीनों का सेटेलाइट डाटा लेगी। वेबसाइट से उसका मिलान होगा। जहां भी अवैध कब्जे होंगे, वहां के लिए यह सॉफ्टवेयर अलर्ट जारी कर देगा। उस अलर्ट के हिसाब से संबंधित जिले की टीम अवैध कब्जे हटाए गए और उसी वेबसाइट पर रिपोर्ट देगी। एआई आधारित प्रक्रिया में जमीनों पर अवैध निर्माण या कब्जों के तीन तरह के अलर्ट आएंगे। पहला अलर्ट महत्वपूर्ण चेतावनी होगी, जो अत्यधिक निर्माण या कब्जों पर आएगा। उससे कम कब्जों पर मध्यम और निम्नतम स्तर के अलर्ट आएंगे। सभी अलर्ट पर संबंधित जिलों के अफसरों को मौके पर जाकर कार्रवाई करने के बाद रिपोर्ट अपलोड करनी होगी।सरकारी जमीनों का अपना यूनिक नंबर होगा। सभी विभाग अपनी भूमि संपत्ति का रजिस्टर बनाएंगे। सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए जिला स्तर पर डीएम की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। तकनीकी मदद के लिए राजस्व परिषद में अलग प्रकोष्ठ बनाया गया है। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव के स्तर पर कमेटी गठित की गई है। दोनों कमेटियां अतिक्रमण हटाने के लिए की गई कार्रवाई की नियमित निगरानी रखेंगी। हमने यूसैक में सेटेलाइट इमेजरी का काम शुरू कर दिया है। सेटेलाइट से मिलने वाला डाटा हर तिमाही सरकारी जमीनों पर होने वाले अवैध निर्माण व कब्जों की जानकारी देगा, जिसका अलर्ट जारी होगा। आईटीडीए व यूसैक मिलकर काम कर रहे हैं।

उत्तर भारत के लोगों में बिना संक्रमण बढ़ रही सूजन की समस्या, ये है कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 जून : उत्तर भारत के लोगों में बिना किसी संक्रमण के आंखों की सूजन की समस्या बढ़ रही है। इससे उनकी आंखों की रोशनी भी कम हो रही है। यह सूजन आंखों के बाहरी हिस्से में पाई जा रही है। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शोध में इसका खुलासा हुआ है। शोध के दौरान लोगों की आंखों में सबसे अधिक इंटीरियर यूवीआईटिस (आंखों के आगे वाले हिस्से में सूजन) मिला। यह शोध दून मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुशील ओझा, लखनऊ एसजीपीजीआई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वैभव जैन और यूपीएमयू सैफई की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रीना शर्मा ने साथ मिलकर किया। यह शोध तमिलनाडु के जनरल ऑफ ऑप्थैल्मिक साइंस एंड रिसर्च में प्रकाशित भी हो चुका है। दून मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विशेषज्ञ व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुशील ओझा ने बताया कि आंखों की लालपन की स्थिति पता करने के लिए यह शोध किया गया। शोध में पता चला कि बिना इंफेक्शन आंखों के लालपन का बड़ा कारण सूजन है। उत्तर भारत के लोगों की आंखों के बाहरी हिस्से में अधिक सूजन पाई जा रही है।

आंखों में यूवीआईटिस नामक सूजन हो रही है। यह एक ऑटो इम्यून डिसऑर्डर है। ऐसे में इम्यूनो सप्रेसिव थेरेपी देकर मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इस तरह की सूजन होने पर आंखों की रोशनी जाना, मोतियाबिंद और आंख सूज के छोटी हो जाने का खतरा बना रहता है। यह शोध 2017 से 2019 तक 89 लोगों पर किया गया। इनमें 50 प्रतिशत मरीज ऐसे थे, जिन्हें पिछले दो दिनों के अंदर आंखों में समस्या हुई थी और 50 प्रतिशत मरीज ऐसे थे जिनमें आंखों की समस्या पुरानी थी। मरीजों की उम्र 20 से 50 साल थी।शोध के दौरान यह पाया गया कि 46 प्रतिशत मरीजों में आंख के आगे वाले हिस्से (इंटीरियर) में सूजन थी। 26 में आंख के बीच वाले हिस्से (इंटरमीडिएट) में सूजन और 15 प्रतिशत मरीजों में आंख के पीछे वाले हिस्से (पोस्टीरियर) में सूजन पाई गई। शोध में लिए गए मरीजों को पहले से ही आंखों में सूजन की समस्या थी। मरीज को एक बार दिखाने के बाद चार महीने से लेकर डेढ़ साल तक लगातार फॉलो किया गया।

उत्तराखंड में मौजूद है मिनी स्विट्जरलैंड, देश-विदेश से आ रहे हैं सैलानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जून : महानगरों में गर्मी बढ़ने के साथ ही लोग राहत पाने के लिए प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर पहुंचने लगे हैं। बागेश्वर के खूबसूरत हिल स्टेशन कौसानी में भी पर्यटकों की गहमागहमी बनी हुई है। यहां से हिमालय की चोटियों का शानदार दीदार होता है। कौसानी आने वाले पर्यटक चीड़ के घने पेड़ों से घिरे कौसानी से बैजनाथ कत्यूरी, सोमेश्वर और गरुड़ की सुंदर घाटियों के खूबसूरत नजारे देख सकते हैं। आमतौर पर शांत माने जाने वाले कौसानी में इन दिनों 80 फीसदी होटल फुल हो गए हैं। बैजनाथ, बागेश्वर में भी चहल-पहल बढ़ गई है। बंगलूरू, गुजरात, दिल्ली, लखनऊ, बनारस समेत देश के कई राज्यों से पर्यटक यहां आए हुए हैं।जिससे व्यापारी और स्थानीय लोगों के चेहरे खिले हुए हैं। एडवेंचर के शौकीन यहां से पिंडारी ग्लेशियर की साहसिक यात्रा पर निकल रहे हैं। कौसानी को भारत का स्विट्जरलैंड कहा जाता है। यह हिंदी के प्रसिद्ध कवि सुमित्रा-नंदन पंत की जन्मस्थली है। महात्मा गांधी ने यहां अनासक्ति योग भी लिखा था। यहां आने वाले पर्यटक रुद्रधारी जलप्रपात के साथ ही नंदा देवी और नंदा घुटी जैसी चोटियों का करीब से दीदार कर सकते हैं। यहां कौसानी टी एस्टेट के अलावा टारगेट ऑब्जर्वेटरी भी है। अगर आप भी वीकेंड पर शोरगुल से दूर शांति की तलाश में हैं तो Mini Switzerland Kausani आपके लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है।

महिलाओं को कौन सा योग करना चाहिए ? ये है 2 बेहतरीन सुझाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जून , एक्सरसाइज में जैसे वॉर्म अप होता है ठीक उसी तरह योग में भी कुछ शुरुआती आसन होते हैं। दरअसल, कभी भी एक्सरसाइज या योग की शुरुआत इंटेंस पोज के साथ नहीं किया जाता क्योंकि इससे शरीर पर प्रेशर पड़ता है। साथ ही, चोट लगने, सूजन और दिल ही समस्याओं का भी जोखिम बढ़ता है। ऐसे में जानते हैं किन योगासनों के साथ आप योग की शुरुआत कर सकते हैं।

1. पद्मासन या कमलास-

पद्मासन या कमलास करते हुए शरीर बेहद आराम में होता है। यह पाचन और उत्सर्जन तंत्र के बेहतर कामकाज में सहायता करता है। ये योग आसन घुटनों, टखनों और पीठ में दर्द को कम करने में मददगार।

सुबह जब आप इससे योग की शुरुआत करके हैं तो ये शरीर और मन को केंद्रित रखते हुए मेटाबोलिक और ब्रेन पावर को बढ़ाता है। इसके अलावा ये हमारे शरीर की अकड़न में कमी लाता है। तो, इस तरह आप इसे शांत योगासन को करके आराम में जा सकते हैं।

2. बालासन

बालासन योग तनाव को दूर करने में मदद करता है। यही कारण है कि लोग बेहतर नींद के लिए योग करने का सुझाव देते हैं। यह आपके कंधों और हाथों के तनाव को कम करता है और आपके ब्रेन को फ्रेश स्टार्ट देता है। इसलिए, योग की शुरुआत आपको इन दो आसनों से करना चाहिए जो कि आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से काम कर सकते हैं।तो, पहले योग करना शुरू करें और कोशिश करें कि इन 2 चीजों से शुरुआत करें। इसके बाद सारी एक्सरसाइज और बाकी योगासनों को करें। ताकि, आपको योग करने के बाद शरीर में तनाव महसूस न हो।

सोमवार को ही होता है हार्ट अटैक का खतरा, क्या कहता है अध्ययन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जून , हार्ट अटैक की कोई उम्र सीमा नहीं होती। यह कभी भी किसी को भी हो सकता है। लेकिन यहां एक रिसर्च रिपोर्ट सामने आई है जिसने सभी को चौंका दिया। दिल का दौरा आमतौर पर सप्ताह के किसी भी दिन हो सकता है। लेकिन नए शोध बताते हैं कि सप्ताह के किसी भी दिन दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक होती

शोध से पता चलता है कि सप्ताह के किसी भी दिन की तुलना में सोमवार को लोगों को गंभीर दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक होती है। अध्ययन के नतीजे मैनचेस्टर में ब्रिटिश कार्डियोवास्कुलर सोसायटी (बीसीएस) के सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए।

बेलफास्ट हेल्थ एंड सोशल केयर ट्रस्ट और आयरलैंड के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स के डॉक्टरों ने अध्ययन किया। इसके लिए 20,000 से ज्यादा मरीजों पर अध्ययन किया गया।शोधकर्ताओं ने पाया है कि सोमवार को दिल का दौरा पड़ने का

जोखिम सबसे गंभीर प्रकार के दिल के दौरे में से एक, एसटी-सेगमेंट एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन (एसटीईएमआई) रोगियों में होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि सोमवार को एसटीईएमआई दिल के दौरे की दर अधिक थी। एसटीईएमआई में एक प्रमुख कोरोनरी धमनी पूरी तरह से अवरुद्ध है। यह ऑक्सीजन और रक्त की आपूर्ति में कटौती करता है।

"यह काम पर वापस जाने का तनाव हो सकता है। यह अधिक तनाव हो सकता है। तनाव हार्मोन में वृद्धि से दिल का दौरा पड़ने का खतरा पैदा हो सकता है," उन्होंने कहा।

कैसे और क्यों होता है हार्ट अटैक ?

"यूके में हर पांच मिनट में एक घातक दिल के दौरे के साथ अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि दिल का दौरा कैसे और क्यों होता है। यह अध्ययन विशेष रूप से गंभीर दिल के दौरे के समय और दिन के बारे में साक्ष्य प्रदान करता है। सप्ताह के दौरान जब दिल का दौरा पड़ने की सबसे अधिक संभावना होती है," ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के चिकित्सा निदेशक प्रोफेसर सर नीलेश समानी ने मीडिया को बताया। STEMI के कारण ब्रिटेन में 30,000 से अधिक मरीज अस्पताल में भर्ती हैं।

मिसाल बन गए वो आईएएस जो कुर्सी छोड़ बेचने लगे सब्ज़ी और दवाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जून , सरकारी नौकरी किसे पसंद नहीं है। फिक्स ऑफिस टाइमिंग, अच्छी सैलरी, रिटायरमेंट के बाद पेंशन और सबसे बड़ी बात नौकरी की सिक्योरिटी।यही वजह है कि लोग सरकारी नौकरी के लिए तरसते हैं। अगर नौकरी IAS अधिकारी की हो तो क्या कहने। देश क सबसे कठिन परिक्षाओं में से एक UPSC की परीक्षा पास कर लोग IAS अफसर बनते हैं। कोई कलेक्टर बनता है तो कोई कमिश्नर । सैलरी के साथ घर-गाड़ी समेत तमाम सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो अपने सपने को पूरा करने के लिए इस सरकारी नौकरी को छोड़ने में भी परहेज नहीं करते हैं।

हम आपको आज ऐसे ही कुछ आईएएस अधिकारियों से मिलवा रहे हैं, जिन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर कारोबार शुरू करने का फैसला किया। शुरुआती चुनौतियों के बाद आज वो सफल बिजनेसमैन हैं। करोड़ों की कंपनी चलाते हैं।प्रवेश शर्मा 1982 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने बतौर आईएएस अधिकारी 34 साल कर अपनी सर्विस दी और साल 2016 में रिटायरमेंट ले ली। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने अपना कारोबार शुरू किया। उन्होंने 'सब्जीवाला' (Sabziwala) नाम से एक स्टार्टअप शुरू किया। अपने स्टार्टअप के जरिए वो फल

और सब्जियां बेचते हैं। रोमन सैनी (Roman Saini) की कहानी भी अलग है। मजह 16 साल की उम्र में उन्होंने AIIMS की परीक्षा पास कर ली। MBBS की डिग्री पूरी की और डॉक्टर बन गए। रोमन का मन इसमें नहीं लगा। NDDTC के लिए जूनियर रेजिडेंट के तौर पर काम करने के बाद उन्होंने दो साल में ही इस्तीफा दे दिया और UPSC की तैयारी में जुट गए। पहले ही प्रयास में उन्होंने यूपीएससी क्लियर कर लिया और IAS अधिकारी बन गए। दो साल बाद उन्होंने यहां से भी इस्तीफा दे

दिया। सरकारी नौकरी छोड़कर उन्होंने एडुटेक कंपनी अनएकेडमी (Unacademy) की शुरुआत की। आज वो लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई कर रहे हैं। डॉ सैयद सबाहत अजीम साल 2000 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। डॉ सैयद ने नौकरी छोड़कर हेल्थकेयर सेक्टर में अपना स्टार्टअप शुरू किया। हालांकि इसके पीछे एक कहानी है। दरअसल उनके पिता की मृत्यु वक्त पर सही इलाज नहीं मिल पाने की वजह से हो गई, जिसके बाद उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर अपने तरीके से हेल्थ केयर सेक्टर में सुधार लाने के लिए कारोबार जगत में उतरने का फैसला किया। उन्होंने अपना स्टार्टअप Glocal Healthcare Systems की शुरुआत की। आज उनका कारोबार करोड़ों का कारोबार कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

महासू महाराज की देव पालकी निनूस गांव पहुंची हुआ भव्य स्वागत

विकासनगर। मैंद्रथ मंदिर से बागड़ी पूजन प्रवास पर निकली बाशिक महासू महाराज की देव पालकी शुक्रवार को त्यूणी से निनूस गांव के लिए रवाना हुई। इससे पूर्व त्यूणी की लोक निर्माण विभाग कॉलोनी में गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक देव दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा है। गुरुवार देर रात दो बजे तक श्रद्धालु भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते रहे। माटल बस्ती, अस्पताल रोड, गेट बाजार, लोनिवि कालोनी, शिवपाल नगर तक टौंस नदी के दोनों छोर पर बाशिक महाराज के जयकारे गूंजते रहे। यहां हर पांचवें वर्ष में बाशिक महासू की देव पालकी को पूजन के आमंत्रित किया जाता है। गुरुवार रात से शुक्रवार दोपहर तक देव पालकी त्यूणी में रही। इस दौरान पूरे बाजार में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। यहां से गुजरने वाले यात्रियों ने भी अपने वाहनों से उतर कर देव पालकी दर्शन किए। देवता ने त्यूणी के बाशिंदों को टौंस नदी किनारे बने कइलू मंदिर के जीर्णोद्धार के आदेश दिए। दोपहर बाद देव पालकी के निनूस गांव के लिए प्रस्थान के दौरान त्यूणी के बाशिंदों ने आस्था और श्रद्धा के साथ विदा किया। निनूस में भी शुक्रवार सुबह से देवता के स्वागत की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं। गांव की सीमा पर भव्य स्वागत द्वार का निर्माण किया गया। स्वागत द्वार पर ग्रामीण युवतियां फूलों से भरा थाल लिए खड़ी थी। देव पालकी के के गांव की सीमा में पहुंचते ही युवतियों ने देव पालकी और देव कारिंदों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। गांव में विधिवत बागड़ी पूजन के बाद जागड़ा पर्व मनाया गया। जिसमें देव हारुल गाकर ग्रामीणों ने पूरी रात जागरण किया। इस दौरान बजीर शांटीबिल दीवान सिंह राणा, धीरज राणा, पुजारी अभिदत्त, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजपाल सिंह, चतर सिंह रावत, राजवीर राणा, हरजीत राणा, चतर सिंह आदि मौजूद रहे।

यू सेट परीक्षा कराने की मांग की

कोटद्वार। बीएड प्रशिक्षित महासंघ ने राज्य में अविलम्ब यू सेट परीक्षा कराने व परीक्षा की तिथि निश्चित करने की मांग की है। इस संबध में प्रशिक्षितों की बैठक में प्रवक्ता अरविन्द दुदपुड़ी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य में राज्य पात्रता परीक्षा यू सेट कराने को हरी झंडी मिल गयी है साथ ही परीक्षा कराने की जिम्मेदारी कुमाऊं विश्वविद्यालय को सौंपी गयी है, लेकिन विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक यू सेट की विज्ञप्ति जारी नही की गयी है। कहा कि इस परीक्षा के माध्यम से राज्य के युवाओं को सरकारी डिग्री कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का अवसर प्राप्त होगा। राज्य के युवा इस परीक्षा का इंतज़ार लंबे समय से कर रहे है। अभी तक राज्य में यह परीक्षा एक ही बार कराई गई है। मौके पर राज्य सरकार से यू सेट परीक्षा आयोजित करने की मांग की गई। बैठक में अजय खंतवाल, अभिनव बौंठियाल, प्रदीप नेगी, आशीष डोभाल, हिमांशु द्विवेदी, दीपक डोबरियाल, भारत रावत, ज्योति नेगी, शिवानी नेगी, बीना,आलिया, निधि व अंकिता आदि मौजूद थे।

अंकिता हत्याकांड में दो और गवाहों के बयान दर्ज

कोटद्वार। शुक्रवार को बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड के मामले में दो और गवाहों के बयान दर्ज किये गए। इस दौरान तीनों आरोपियों को भारी पुलिस बल के बीच अदालत में पेश किया गया। कोटद्वार बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व मृतका की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अजय पंत ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीना नेगी की अदालत में दो गवाहों मनवीर और आयुष के बयान दर्ज किए गए। उन्होंने जानकारी दी कि मृतका के पिता ने सरकारी अधिवक्ता को केस से हटाने के लिए एक पत्र कोर्ट को भी दिया है। बीते वर्ष जनपद पौड़ी के गंगा भोगपुर स्थित वनन्तरा रिजॉर्ट से 18 सितंबर को लापता हुई अंकिता भंडारी का शव 24 सितंबर को चीला बैराज के पास मिला था। मृतका कुछ समय से ही रिजॉर्ट में बतौर रेसेप्टिनिस्ट कार्य कर रही थी। इससे पहले 23 सितंबर को पुलिस ने हत्या मानते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया था। इसके बाद रिजॉर्ट स्वामी पुलकित आर्य और रिजॉर्ट के दो मैनेजर सौरभ भास्कर व अंकित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले में प्रदेशवासियों ने जगह-जगह प्रदर्शन करते हुए सरकार से आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग की थी।

भारत में होगा Miss World 2023 130 देशों की सुंदरियां लेंगी भाग

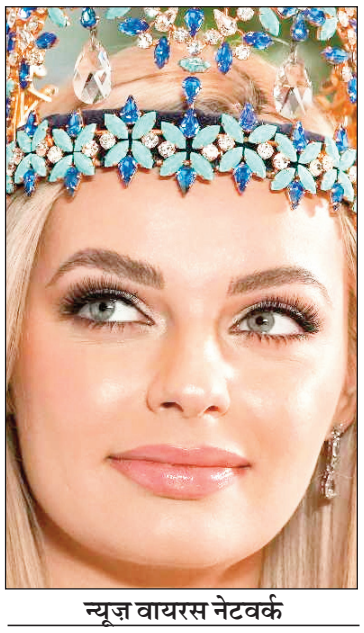

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जून , भारत में 27 साल बाद एक बार फिर से दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाएं इकट्ठा होकर मिस वर्ल्ड के ताज के लिए एक-दूसरे का मुकाबला करती नजर आएंगीं। Miss World 2023 फिनाले की मेजबानी इस बार हमारे देश को मिली है, जिसकी आधिकारिक घोषणा 8 जून को दिल्ली में की गई।

भारत को आधिकारिक मेजबानी सौंपते हुए, मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की चेयरपर्सन और सीईओ जूलिया मोर्ली ने कहा 'मुझे ये बताते हुए काफी खुशी हो रही है कि 71वें मिस वर्ल्ड फाइनल का आयोजन भारत में किया जाएगा।

मिस वर्ल्ड फेस्टिवल को शानदार बनाने के लिए मिस वर्ल्ड लिमिटेड और पीएमई एंटरटेनमेंट साथ मिलकर काम करेंगे।'पेजेंट से जुड़ी अन्य जानकारी शेयर करते हुए मोर्ली ने बताया कि 71वें मिस वर्ल्ड कॉम्पिटिशन में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली 130 नेशनल चैंपियन्स भारत आएंगीं। ये सभी यहां एक महीने तक रहेंगीं। इस देश की अद्भुत और विविधता से भरी संस्कृति का अनुभव लेते हुए सभी प्रतिभागी अपने दया भाव, समझदारी और अनूठी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगीं।इस पेजेंट के फिनाले का आयोजन नवंबर/दिसंबर में होगा। इससे पहले 130 देशों की प्रतिभागी पेजेंट से जुड़ी एक्टिविटीज में हिस्सा लेंगीं। इसमें अलग-अलग राउंड भी होंगे, जो करीब एक महीने तक चलेंगे।

हरिद्वार : भारत गौरव ट्रेन से करें दक्षिण भारत की यात्रा, ये है पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 10 जून : भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) की ओर से शुरू की जा रही भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन से यात्री दक्षिण भारत के दर्शन कर सकेंगे। इस ट्रेन से यात्रा कराने के लिए रेलवे ने हरिद्वार में बुकिंग करनी शुरू कर दी है। यह ट्रेन 10 जुलाई से 20 जुलाई तक दक्षिण भारत के विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा कराएगी। मुरादाबाद रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग सुधीर सिंह के मुताबिक योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चलेगी। जिससे मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, तिरुपति बालाजी मंदिर, रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम), मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी दर्शन यात्रा होगी। 10 रात और 11 दिन के इस पैकेज में श्रद्धालुओं को सेकंड एसी, थर्ड एसी एवं स्लीपर क्लास कोच में यात्रा के साथ ही नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/नॉन एसी बसों से स्थानीय भ्रमण कराया जाएगा। योगनगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ, रायबरेली जंक्शन, प्रतापगढ़, प्रयागराज जंक्शन, मानिकपुर, सतना रेलवे स्टेशन से यात्री ट्रेन में सवार और उतर सकेंगे। स्लीपर क्लास का पैकेज 20870 रुपये (एक से तीन व्यक्ति तक), जबकि प्रति बच्चे के लिए 19642 रुपये चुकाने होंगे। इरी तरह स्टैंडर्ड श्रेणी (थर्ड एसी) में पैकेज 35072 रुपये (एक से तीन व्यक्ति तक) और प्रति बच्चे के लिए 33628 रुपये देने होंगे है। कंफर्म श्रेणी (सेकंड एसी) में पैकेज 46557 रुपये (एक से तीन व्यक्ति तक) प्रति बच्चे का पैकेज का 44825 रुपये है। बच्चे की उम्र 5 से 11 वर्ष तक होनी चाहिए।आई-आरसीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism.com से ऑनलाइन बुकिंग करा सकते हैं।

आ गया मस्का बाजा - होमगार्ड्स का दिखेगा हुनर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जून , उत्तराखंड होमगार्ड विभाग में होमगार्ड के विभागीय बैंड का मस्का बाजा का लोकार्पण मसूरी डायवर्जन पर टिया खुराना ने किया। आपको बता दें कि टिया आईपीएस केवल खुराना कमांडेंट जनरल होम गार्ड्स की पत्नी हैं। विभागीय बैंड का किसी भी वर्दीधारी संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है, बैंड की धुनों पर बल की टुकड़ियों के मार्च पास्ट से हर जवान का शौर्य एवं देशभक्ति उसकी आंखों में झलकती है ।

आईपीएस केवल खुराना कमांडेंट जनरल होमगार्ड के कुशल मार्गदर्शन के अंतर्गत होमगार्ड स्वयं सेवकों की विभिन्न प्रशिक्षणो के क्रम में संगीत में रुचि रखने वाले होमगार्ड स्वयंसेवकों को चिन्हित किया गया। होमगार्ड स्वयंसेवकों को आइटीबीपी द्वारा 2 माह का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। म्यूजिकल पाइप बैंड में दो तरह के यंत्रों पाइप एवं ड्रम का प्रयोग किया गया है। बैंड में महिला तथा पुरुष होमगार्ड स्वयं सेवकों का प्रदर्शन उच्च कोटि का रहा एवं सुर तथा ताल के सामंजस्य के साथ बेहतरीन प्रस्तुती-करण दिया गया विभागीय पाइप बैंड मस्का बाजा का उपयोग रितिक परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं पर्यटन आदि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जाएगा। विभागीय बैंड मस्का बाजा का प्रस्तुतीकरण प्रत्येक दिवस सायं चिन्हित स्थल मसूरी डायवर्जन पर किया जाएगा।

होमगार्ड बैंड मस्का बाजा के द्वारा संगठन की बेहतर छवि प्रस्तुत होगी एवं स्वयं सेवकों के मनोबल में भी वृद्धि होगी।इस मौके पर उत्तराखंड शासन एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। आम जनमानस द्वारा प्रस्तुतीकरण का लाभ उठाया और इसकी प्रशंसा की गई।

संक्षिप्त खबरें

स्वामी देवेंद्र बने अखिल भारतीय सनातन परिषद पुर्तगाल के राष्ट्रीय अध्यक्ष

हरिद्वार। अखिल भारतीय सनातन परिषद का विस्तार देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी शुरू हो गया। शुक्रवार को सूर्यवंशी अखाड़ा परिषद के अंतरराष्ट्रीय आचार्य महामंडलेश्वर देवेंद्र को यूरोपियन पुर्तगाल का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वह विश्व में सनातन को मजबूती प्रदान करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। अखिल भारतीय सनातन परिषद के केंद्रीय कार्यालय पर संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर रविंद्रपुरी ने बताया कि सूर्यवंशी अखाड़ा परिषद के महामंडलेश्वर डॉ. संजीव को मेरठ जनपद, महामंडलेश्वर राजेश्वरानंद योगेश्वर को गाजियाबाद जनपद और महामंडलेश्वर महंत डॉ. जोगेंद्र नाथ को सहारनपुर जनपद का संयोजक नियुक्त किया गया है। श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि सनातन धर्म के प्रचार प्रसार और सनातन को मजबूत करने के लिए अखिल भारतीय सनातन परिषद का गठन किया गया था। देश विदेशों में सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए परिषद काम कर रही है। इस मौके पर परिषद के राष्ट्रीय सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरि, उपाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार बत्रा, अविक्षित रमन, प्रचार प्रसार सचिव सतीश वन, राष्ट्रीय सदस्य राजबीर सिंह कटारिया, प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा, मानवेंद्र कसाना, बासु सिंह, गुलजारी लाल, सुनील प्रजापति, विनोद मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

पिरान कलियर में सर्व धर्म सम्मेलन आज

हरिद्वार। देश की अखंडता, एकता, भाईचारे और गंगा जमनी तहजीब को बनाए रखने और सूफी संतों का पैगाम आम जन तक पहुंचाने के लिए शनिवार को पिरान कलियर में सर्व धर्म सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 'आल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के बैनर तले होने जा रहे पैगाम ए हिन्द कार्यक्रम में सभी धर्मों के धर्मगुरु शामिल होंगे। इस दौरान उन्होंने वक्फ बोर्ड पर भी जमकर हमला बोला। शुक्रवार को हरिद्वार प्रेस क्लब में कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पिरान कलियर दरगाह साबिर पाक के सज्जादानशीन और ऑल इंडिया सूफी सज्जादा नशीन काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष शाह अली एजाज कुद्दुसी साबरी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य एजेंडा काउंसिल सुन्नी उलेमा माशायखों के बीच इख्तालाफात को समाप्त करना, मुल्क के लोगों की तरक्की के लिए जरूरी कदम उठाना शिक्षा व सूफिईज्म के विचारों को आम-जन तक पहुंचाना है।

इन अभिनेत्रियों ने शादी में लाल रंग के जोड़े को किया साइड, पेस्टल रंग को दी प्राथमिकता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जून : जब भी हम दुल्हन के शादी के जोड़े के बारे में सोचते हैं, तो जहन में कुछ ही तस्वीरें आती हैं। इन तस्वीरों में लाल, मैरून, डार्क गुलाबी रंग के लहंगे ही दिखाई देते हैं। पर, आज का समय बदल गया है। अब की दुल्हनें इन रंगों को छोड़ कर पेस्टल रंगों की तरफ आकर्षित हो रही हैं। दुल्हनों को लाइट पिंक, ऑफ व्हाइट, लाइट गोल्डन, आइवरी रंग, पेस्टल पिंक रंग ही पसंद आ रहे हैं। हाल ही में बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों की शादी हुई है। इनमें कई ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने अपनी शादी में लाल रंग के जोड़े को साइड करके पेस्टल रंग को चुना है। इन में कियारा, अथिया, आलिया समेत कई और एक्ट्रेस भी शामिल थीं।

इन सभी ने अपने वेडिंग लुक को काफी हल्का रखा था। हैवी ज्वेलरी के साथ लाइट मेकअप उस सभी के ऊपर काफी ज्यादा जच रहा था।

सबसे पहले पेस्टल रंग अनुष्का शर्मा ने ही कैरी किया था। आज के लेख में हम आपको इन्हीं एक्ट्रेस के वेडिंग लुक के बारे में बताने जा रहे हैं। ताकि आप भी इनसे टिप्स ले सकती हैं। विराट कोहली के साथ अनुष्का शर्मा ने इटली के टस्कन में सात फेरे लिए थे। उनकी शादी का लहंगा सब्यसाची ने डिजाइन किया था। इस पेस्टल रंग के लहंगे पर कमल के फूल बने थे। इसके साथ एक्ट्रेस ने हैवी ज्वेलरी कैरी की थी। एक्ट्रेस ने अपने मेकअप को काफी लाइट रखा था। सबसे पहले अनुष्का ने ही पेस्टल रंग का लहंगा पहना था।

आखिर क्यों बनने लगती है किडनी में पथरी, इन चीजों से ज्यादातर लोग होते हैं अनजान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जून : किडनी स्टोन की समस्या सभी उम्र के लोगों कॉफी कॉमन है। बोलचाल की भाषा में इसे किडनी में पत्थर बनना कहा जाता है, पर क्या वास्तव में हमारे शरीर में भी पत्थर बन सकते हैं? ये पत्थर आते कहां से हैं? इस आर्टिकल में हम किडनी स्टोन के बारे में विस्तार से समझने की कोशिश करेंगे। डॉक्टर कहते हैं, किडनी स्टोन असल में कोई पत्थर नहीं होते है। हमारी किडनी रक्त से अपशिष्ट को फिल्टर करती है, जो मूत्र के माध्यम से बाहर आ जाते हैं। कभी-कभी, मूत्र में सॉल्ट और अन्य खनिज अधिक हो जाते हैं जो ठीक से फिल्टर नहीं हो पाते हैं, यही इकट्ठा होकर पथरी बनाते हैं। कभी-कभी ये पथरी आकार में बड़ी होकर पेशाब में रुकावट, दर्द का कारण बन सकती है। समय रहते पथरी को निकलाना जरूरी हो जाता है। आइए जानते हैं कि ये पथरी बनती क्यों है?कुछ जोखिम कारक हैं जो आपमें किडनी स्टोन की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं। सभी लोगों को इससे बचाव के उपाय करते रहना चाहिए। आमतौर पर 30-40 की उम्र में पुरुषों में गुर्दे की पथरी होने की आशंका सबसे अधिक होती है। हालांकि, यह किसी को भी हो सकती है। इन जोखिम कारकों को किडनी स्टोन के लिए जिम्मेदार माना जाता है।पर्याप्त तरल पदार्थों का सेवन न करना।ऐसा आहार लेना जिसमें पथरी बनाने वाले पदार्थ शामिल हों (फॉस्फेट, मांस, मछली, बीन्स और अन्य प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ)परिवार में पहले से किसी को किडनी स्टोन की समस्या रही हो तो भी इसका जोखिम हो सकता है।यदि आपके मूत्र पथ में किसी कारण से रुकावट हो रही है तो इसके कारण भी जोखिम बढ़ जाता है।किडनी में स्टोन बनने का एक कारण कम पानी पीना भी रहा है। अगर आप कम पानी पीते हैं तो किडनी को फिल्टर करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जबकि पानी पीते रहने से मूत्र का उत्पादन होता रहता है जिससे अपशिष्ट बाहर निकलते रहते हैं। पानी पीते रहना न सिर्फ आपको किडनी स्टोन से बचाता है साथ ही अगर आपको किडनी में स्टोन हो भी जाता है तो पानी पीते रहने से इसके निकलने की संभावना अधिक होती है।शरीर को स्वस्थ रखने और इस तरह की समस्याओं को कम करने के लिए दिन में कम से कम 3-4 लीटर पानी जरूर पीते रहना चाहिए।

फोन में PDF डाउनलोड करने में वायरस अटैक का खतरा, ऐसे बचें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जून , ज्यादातर लोग डिजिटल लाइफ के आदि हो चुकें है ऐसे में वो अपने डिजिटल डॉक्यूमेंट से लेकर हर चीज को अपने फोन में रखना पसंद करते हैं. पीडीएफ फाइलें हमारे डिजिटल लाइफ में जरूरी हो गई हैं. इनका इस्तेमाल हम अलग-अलग इन्फॉर्मेशन या डॉक्यूमेंट को सेव करने के लिए करते हैं. जैसे आधार कार्ड और डिजिटल स्लिप आदि.हालांकि साइबर खतरों के वजह से PDF डाउनलोड करते समय सावधान रहना बहुत जरूरी है. जबकि ऑनलाइन सब कुछ पूरी तरह से सेफ नहीं है, जिसमें PDF भी शामिल है, अपनी सेफ्टी के लिए सावधानी बरतना जरूरी है ताकि फ्यूचर में किसी भी बड़े नुकसान का सामना न करना पड़े.ऐसे में अगर आप अक्सर पीडीएफ फाइल्स को ऑनलाइन डाउनलोड करते हैं या ईमेल में पीडीएफ अटैचमेंट आपके पास आते हैं तो उसे डाउनलोड करने से पहले इन बातों का ध्यान रखें.

वायरस से बचने के लिए के लिए स्कैन करें

पीडीएफ फाइल्स में वायरस या मैलवेयर हो सकते हैं जो आपके कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल डिवाइस को नुकसान पहुंचा सकते हैं. किसी भी PDF को खोलने से पहले उसे किसी अच्छे एंटीवायरस सॉफ्टवेयर से स्कैन करना बेहद जरूरी है. इससे किसी भी संभावित खतरें का पता लग सकता है और ये आपके सिस्टम को सेफ रखने में मदद करेगा.

ट्रस्टेड सोर्स या ऑफिशियल वेबसाइट

जब आप पीडीएफ फाइल्स को डाउनलोड करते हैं, तो ये चेक करना न भूलें कि उनका सोर्स क्या है. अगर आपको लगता है कि ये किसी ऑफिशियल सोर्स से नहीं आई है और आपको उस सोर्स पर ट्रस्ट नहीं है तो फाइल डाउनलेड न करें. जिन सोर्स पर आपको पूरा भरेसा है उन्हीं का पीडिएफ फाइल एंटीवायरस सॉफ्टवेयर से स्कैन करके डाउनलोड करें.

ऑनलाइन फिशिंग का शिकार बनने से सावधान रहें

पीडीएफ फाइल डाउनलोड करने से पहले सावधान रहें. कुछ पीडिएफ फाइल डाउनलोड होने से पहले आपकी पर्सनल इन्फॉर्मेशन मांगती है या कुछ कामों के लिए आपको किसी दूसरी वेबसाइट्स पर डायरेक्ट करती हैं. ये फिशिंग की कोशिश हो सकती हैं, जिसमें हैकर आपकी डिटेल्स का फायदा उठा सकता है. किसी भी वेबसाइट के URL पर क्लिक करने से पहले उसे डबल चेक कर लें और उसे वेरिफाई करें.इसके अलावा अपने सॉफ्टवेयर को अपडेटेड रखें सॉफ्टवेयर अपडेट में आपको सिक्यॉरिटी पैच मिलते हैं जो आपको मैलवेयर से बचाने में मदद कर सकते हैं.

संपादकीय

दिल्ली कभी लौट के आना

दिल्ली की जिन शर्तों पर हिमाचल की आर्थिक बेडियां कराह रही हैं, उनके आंचल में बैठे इस प्रदेश को काश ! नजदीक से देखा होता। हिमाचल को दिखाने या दिल्ली से मिलाने का काम पथ परिवहन निगम बाखूबी कर रहा है। हर रोज एक हिमाचल, दिल्ली की ओर निकलता है, लेकिन बहुत सारा लौटता नहीं, क्योंकि केंद्र का बर्ताव आज तक हमारे भीतर एक स्थायी विस्थापन कर रहा है। पहले हम कोसते थे कि हमारा पानी और जवानी काम नहीं आती, अब तो ईमानदारी और भोलेपन की नादानी भी काम नहीं आती। कभी लौट के दिल्ली अगर एचआरटीसी की बस में आए, तो हिमाचल के रास्ते बता देंगे कि पहाड़ की जिद्द और जिरह कैसे संघर्ष के पड़ाव हैं। कितनी सर्द सदियां यहां से गुजरी होंगी तब कहीं यह प्रदेश अस्तित्व में आया और दिल्ली के हुक्मरानों से मुलाकात कर पाया। इसी सर्द आंचल में एक अनूठा सफर लेह से दिल्ली को जोडक़र बताता है कि एक ही आकाश की छत के नीचे कितने जहां गुजर जाते हैं। दुनिया के सबसे लंबे यानी 1026 किलोमीटर सफर पर दिल्ली को लेह तक ले जाने की प्रतिज्ञा से बंधी हिमाचल की सरकारी बस सिर्फ यात्रा नहीं कर रही, यात्रा की बुनियाद पर भौगोलिक और मौसम की विषमताओं की एक सदाबहार कहानी भी ढो रही है। यह पर्वतीय दुरूहता की प्रतीक बनी बस सेवा एक ही रूट पर अतीत को वर्तमान से मिलाना चाहती है। लेह से रोहतांग तक देश का अतीत राष्ट्र की नई प्राथमिकताओं के साथ भागना चाहता है। यह रोहतांग से नेरचौक तक बदलते हिमाचली परिदृश्य में बदलाव देखता है, लेकिन दिल्ली पहुंचते ही देश की सरकार के वर्तमान में अपना भविष्य देखना चाहता है। जिस दिन दिल्ली से निकली हिमाचल की यह बस आधुनिक भारत को वापसी में ले आई, मालूम हो जाएगा कि तीस घंटे के सफर में कितने मोड़, कितने खतरे, कितने अवरोध, कितने मौसम और कितने पड़ाव पार करने पड़ते हैं। हिमाचल में विकास एक साहस है और इसीलिए वित्तीय प्रबंधन पहाड़ खोदने जैसे अप्रत्याशित मजदूरी तथा मुकद्दमों की तरह हर सतह पर संघर्षशील है। दिल्ली अगर हिमाचल की लेह जाती बस की यात्रा को समझ ले, तो मालूम हो जाएगा कि क्यों पर्वतीय राज्यों को केंद्र से वित्तीय उदारता चाहिए। जैसे ही दिल्ली-लेह बस को हिमाचल से लांघना पड़ता है, सडक़ के हर किलोमीटर पर चार गुना खर्च बढ़ जाता है। हिमाचल के हर मील को मापना मुश्किल है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

टॉपर्स कान्क्लेव में 473 छात्रों को दिए मेडल और अवॉर्ड सर्टिफिकेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जून , सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में देहरादून के आई-सीएसई, सीबीएसई और स्टेट बोर्ड से संबद्ध 25 बेस्ट स्कूलों के 473 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए।टॉपर्स कान्क्लेव का आयोजन उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, उत्तराखंड तकनीकी शिक्षा निदेशालय एवं दिव्य हिमगिरि के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड शासन में कृषि, औद्यानिकी तथा सैनिक कल्याण सचिव श्री दीपेंद्र चौधरी ने बेहतर परीक्षा परिणाम देने वाले 25 स्कूलों को 25 बेस्ट स्कूल ऑफ देहरादून से अवॉर्ड से सम्मानित किया। इसके साथ श्री दीपेंद्र चौधरी ने स्कूल स्तर पर प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 10वीं और 12वीं के 174 छात्र-छात्राओं को अवॉर्ड सर्टिफिकेट तथा गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल तथा ब्राउंज मेडल प्रदान किया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक स्कूल के टॉप टेन में जगह बनाने वाले 299 बच्चों को भी अवॉर्ड सर्टिफिकेट किया। इसके अलावा एनडीए/एफकेट और सीडीएसई की परीक्षा पास करने वाले 10 छात्रों को भी गोल्ड मेडल प्रदान किए गए।

टॉपर छात्र-छात्राओं से खचाखच भरे सभागार को संबोधित करते हुए श्री दीपेंद्र चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जितना कठिन सफलताओं की ऊँचाइयों को प्राप्त करना होता है उससे भी अधिक उन ऊंचाइयों पर टिका रहना होता है। उन्होंने अपने स्कूली जीवन को याद करते हुए कई संस्मरण छात्रों के साथ साझा किए। उन्होंने कहा यदि हम अपने बुजुर्गों, अध्यापकों और जीवन में प्रेरणा देने वाले व्यक्तियों का सम्मान करते रहें तो उनके आर्शीवाद से निश्चित तौर पर जीवन में वो हर स्वप्न पूरा कर सकते हैं जो हमने देखें है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तराखंड तकनीकी शिक्षा निदेशालय के निदेशक ई. आर.पी. गुप्ता ने कहा कि सभागार में उपस्थित छात्रों का विशाल समूह हमारे राज्य की सामर्थ्य है। यही शक्ति है और यही भविष्य है। वर्तमान सरकार ने युवाओं को गुणतत्तापरक और रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही स्किल्ड क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का भी बीड़ा उठाया है। टॉपर्स कान्क्लेव को संबोधित करते हुए उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र की निदेशक प्रो. (डा.) अनीता रावत ने कहा कि विज्ञान के इस युग में सत्य को परिभाषित करते हुए आगे की राह में यूसर्क द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों से छात्रों को अवगत कराया।

टॉपर्स कॉक्क्लेव को एसटीपीआई के अपर निदेशक मनीष कुमार, दून डिफेंस अकादमी के निदेशक संदीप गुप्ता तथा कान्क्लेव की अध्यक्षता कर रहे प्रिन्सिपल्स प्रोगेसिव स्कूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कश्यप ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ. ओपी नौटियाल द्वारा किया गया। समारोह में सूचना विभाग के उपसचिव रजनीश जैन, शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के चेयरमैन श्री अजय कुमार के अलावा सेंट जोसेफ स्कूल, कॉन्वेंट ऑफ जीसस एंड मेरी, ब्राइटलैंड स्कूल, समर वैली स्कूल, वाइन बर्ग ऐलन स्कूल, टोंसब्रिज स्कूल, दून इंटरनेशनल स्कूल, शिक्षांकुर द ग्लोबल स्कूल, हिमालयन पब्लिक स्कूल, कारमन स्कूल, रिवरसाइड स्कूल, पेस्टलवीड स्कूल, द आर्यन स्कूल, कसिगा स्कूल, हिमज्योति स्कूल, श्रीराम सेंटेनियल स्कूल, दून वैली इंटरनेशनल स्कूल, सनराइज एकेडमी, एसजीआरआर पब्लिक स्कूल, पटेलनगर एवं तालाब, चिल्ड्रन्स एकेडमी, केंद्रीय विद्यालय मसूरी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, सरस्वती विद्या मंदिर के प्रिन्सिपल्स, अध्यापकगण, टॉपर छात्र एवं अभिभावक उपस्थित थे।

स्वर्गीय उमेश अग्रवाल को फाउंडेशन ने दी श्रद्धांजलि, आयोजित किया भंडारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जून , भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व राज्य मंत्री पूर्व महानगर अध्यक्ष स्वर्गीय उमेश अग्रवाल की चतुर्थ पूर्णतिथि पर उनकी स्मृति में अमरेश्वर महादेव शिव मंदिर कैनाल रोड पर उमेश अग्रवाल फाउंडेशन की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था जिसमें महानगर और क्षेत्र की जनता प्रसाद वितरण किया गया।उमेश अग्रवाल फाउंडेशन एवं महानगर के अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल के द्वारा कुकरेजा इंस्टिट्यूट अजबपुर में गरीब छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग किताबें एवं हनुमान चालीसा देकर स्वर्गीय उमेश अग्रवाल जी को याद किया गया। इसके साथ ही उमेश अग्रवाल के सुपुत्र सिद्धार्थ अग्रवाल ने आज के दिन अपने पिता के प्रति श्रद्धा के सुमन अर्पित किए साथ आवाहन किया की उमेश अग्रवाल फाउंडेशन हमेशा छात्रों और गरीबों के बीच में काम करता रहेगा जिस प्रकार उनके पिताजी ने आम जनता लोगों के लिए समाज के प्रति अपनी सेवाएं दी थी हम भी उन्हीं के पद चिन्हों पर चलकर लगातार लोगों के बीच में सेवाएं देते रहेंगे। उमेश अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी में लगातार विभिन्न पदों पर रहकर अनेक काम किया थे ।

जबरन गर्भपात के दोषी अस्पताल संचालक व डॉक्टर हरिद्वार पुलिस के हत्थे चढ़े

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 10 जून , 6 जून को कोतवाली ज्वालापुर पर दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 425/23 धारा 365, 376 आईपीसी में ज्वालापुर पुलिस द्वारा अभियुक्त समीर को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पीड़िता के मेडिकल व 161 के बयानों के आधार पर इस मुकदमे में धारा 376 (2) (ढ), 312 आईपीसी व पोक्सो अधिनियम की बढ़ोतरी की गई थी। इसी प्रकरण में 7 जून को थाना बहादराबाद पर आशुतोष निवासी ज्वालापुर ने अभियुक्त समीर व भारत हॉस्पिटल कलियर रोड के संचालक अरमान मालिक व डॉक्टर शाहवेज के विरुद्ध उसकी बहन का जबरन गर्भपात कराने संबंधी मुकदमा दर्ज कराया गया था।जांच में पाया गया कि समीर और अस्पताल प्रबंधक तथा डॉक्टर एक दूसरे के परिचित थे जिन्होंने योजना के तहत उक्त युवती का गर्भपात बिना उसकी सहमति से करने के लिए उसको अस्पताल में भर्ती किया था तथा उसको गर्भपात कराने वाली दवाइयां दी। साथ ही अस्पताल का licence पिछले 2 साल से renewal भी नहीं हुआ है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह के आदेश पर थाना बहादराबाद पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए दोनो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बाइक पर रील बनाने के चक्कर में लड़की चढ़ी रायपुर पुलिस के हत्थे

देहरादून , 10 जून , पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद देहरादून द्वारा यातायात के नियमों का उल्लंघन कर स्टंट करने वाले व रील बनाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं । इसी आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर व पुलिस क्षेत्राधिकारी रायपुर के मार्गदर्शन व पर्यवेक्षण में थाना रायपुर पुलिस द्वारा लगातार यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है ।थानाध्यक्ष रायपुर के संज्ञान में आया कि एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक लड़की मोटरसाइकिल में बैठकर एक गाने पर वीडियो बना रखी है । जिसको उसके द्वारा सोशल मीडिया में डालकर रील को वायरल किया गया है । उक्त रील में लड़की द्वारा मोटरसाइकिल चलाते वक्त यातायात के नियमों का उल्लंघन किया गया है। जिस पर कार्यवाही करते हुए मोटर साइकिल की जानकारी कर चालक पूजा पुत्र एच0एस0तलाल निवासी ग्राम शिवानी तहसील गड़ई गंगोलीहाट थाना गंगोली हाट जिला पिथौरागढ को चौकी मालदेवता बाइक सहित बुलाया गया। चौकी प्रभारी मालदेवता उ0नि0 राजीव धारीवाल द्वारा चालक को यातायात के नियमों की जानकारी दी गई । जिस पर चालक द्वारा अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में इस प्रकार की गलती न करने व यातायात के नियमों का पालन करने हेतु कहा गया । बाइक को सीज़ कर चालक के ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित हेतु रिपोर्ट भेजी गई।